अत्यंत गोपनीय – केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

अप्रैल, 2016–17

अंक –योजना – हिन्दी 'ऐच्छिक' कोड संख्या 29/1/1, 29/1/2, 29/1/3

सामान्य निर्देश – मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए –

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
2. मूल्यांकन कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके, अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
3. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
4. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक दिए जाएँ।
5. यदि परीक्षार्थी ने किसी अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर भी लिख दिया है तो अपेक्षाकृत अच्छे उत्तर पर अंक देकर दूसरे अतिरिक्त उत्तर को काट दिया जाए।
6. संक्षिप्त, परंतु उपयुक्त विवेचन के साथ, प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की अपेक्षा है।
7. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटे जाएँ।
8. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 – का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 100 अंक दिए जाने चाहिए।

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – अप्रैल, 2016–17
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1/1
29/1/2
29/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				खंड –'क'	
1.	1.	2.	1.	**अपठित गद्यांश–**	15
	क	क	क	• 'परचना' से तात्पर्य – घुलमिल कर रहना अर्थात् परिचित होना • उदाहरण – मनुष्य, बालक व पशु–पक्षी आदि का परस्पर स्नेहपूर्वक रहना तथा देश की प्रकृति, वन–पर्वत, नदी नाले आदि से प्रेम (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	1+1=2
	ख	ख	ख	• परिचय से प्रेम का उत्पन्न होना • मिलजुल कर प्रेमपूर्वक रहना, सबके स्वभाव आदि से परिचित होना • उदाहरण – एक–दूसरे को जानना व समझना अर्थात् साहचर्य	1+1=2
	ग	ग	ग	• संपूर्ण प्रकृति – नदी–नाले, वन, पर्वत, सागर, मनुष्य, पशु–पक्षी आदि देश हैं	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• मन्तव्य – देश के स्वरूप को सामान्य जन के लिए स्पष्ट करना	1+1=2
	घ	घ	घ	• घर से बाहर निकलकर प्रकृति की हर चीज़ का अनुभव करना • घड़ी–आध–घड़ी परस्पर बातचीत करना • एक–दूसरे के सुख–दुख से परिचित होना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• अपने देश से परिचित होना, सुख–दुख जानना व अपनत्व / प्रेम बढ़ाना	2
	च	च	च	• एक–दूसरे का साथ न छोड़ने की भावना, सबके सुख व समृद्धि की कामना	2
	छ	छ	छ	• प्रकृति से जुड़ना – अर्थात् प्रकृति भ्रमण करना तथा लोगों के बीच जाकर मेल–जोल बढ़ाना	2
	ज	ज	ज	• देश–प्रेम • परिचय से ही प्रेम (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य)	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश–**	1x5=5
	क	क	क	• किसी के भी नष्ट होने पर या बिछुड़ने पर भी जीवन में आगे बढ़ना	1
	ख	ख	ख	• तारों के टूट जाने पर भी आकाश के सौंदर्य व स्वरूप में कोई परिवर्तन न आना	1
	ग	ग	ग	• बिछुड़ने वाले अर्थात् मृत कभी लौट कर नहीं आते – जीवन के इस सत्य को स्वीकारना (जीवन की नश्वरता स्वीकारना)	1
	घ	घ	घ	• सुंदर और महत्वपूर्ण स्वरूप भी नष्ट हो जाते हैं– प्रकृति का शाश्वत सत्य	1
	ङ	ङ	ङ	• जीवन का सत्य – क्षणभंगुरता, तथा असारता • मृत्यु के अटल नियम को स्वीकारना • प्रकृति में परिवर्तन की निश्चिंतता	1
				<u>खंड – 'ख'</u>	
3.	3.	3.	4.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित–** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 6	10

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• भाषा 2	
4.	4.	4.	3.	**पत्र–लेखन–** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • विषय–वस्तु 3 • भाषा 1	5
5.	5.	–	–	**प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–**	1x5=5
	क	–	–	क्या, कौन (किसके साथ) कहाँ, कब, क्यों और कैसे – छह ककार	1
	ख	–	–	यह समाचार लिखने की शैली है। इसका क्रम – इंट्रो (मुखड़ा), बॉडी (विस्तार) और समापन है।	1
	ग	–	–	किसी भी दबाई या छिपाई गई घटना की गहरी छानबीन कर तथ्यों एवं सूचनाओं को उजागर करना	1
	घ	–	–	सामान्य से हटकर किसी विशेष विषय पर लिखा गया लेखन	1
	ङ	–	–	वाक्य छोटे, भाषा सरल, स्पष्ट, संप्रेषणीय एवं प्रभावी (अन्य उचित विशेषताएँ भी स्वीकार्य)	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
		6.			
	–	क	–	कोई भी सूचना, घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट जिसे जानने की अधिक से अधिक लोगों में रुचि हो और उनके जीवन पर प्रभाव पड़ रहा हो	1
	–	ख	–	पत्रकारों द्वारा अपने पाठकों, श्रोताओं एवं दर्शकों तक सूचनाएँ पहुँचाने हेतु लेखन के विभिन्न रूपों का प्रयोग – पत्रकारीय लेखन	1
	–	ग	–	फ्रीलांसर पत्रकार का किसी विशेष अखबार से संबंध न होना, भुगतान के आधार पर अलग–अलग समाचार पत्रों के लिए लिखना	1
	–	घ	–	तुरंत घटित किसी भी महत्वपूर्ण घटना को सबसे पहले दर्शकों तक पहुँचाना	1
	–	ङ	–	छपे हुए शब्दों में स्थायित्व, अपनी जरूरत से पढ़ने की सुविधा	1
				(अन्य उचित विशेषताएँ भी स्वीकार्य)	
			5.		
	–	–	क	सन् 1556 में, गोवा में	½+½=1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	—	—	ख	उच्चारण में शुद्धता, प्रभावशाली व्यक्तित्व, प्रभावी प्रस्तुतीकरण, वाचन और दृश्य में तालमेल (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	—	—	ग	किसी भी घटना या समसामयिक मुद्दे पर अखबार की राय	1
	—	—	घ	तहलका डॉट कॉम	1
	—	—	ङ	सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं और आंकड़ों की गहरी छानबीन करना। इसके द्वारा किसी समस्या या मुद्दे से जुड़े पहलुओं को उजागर करना	1
6.	6.	5.	6.	**आलेख लेखन–** • प्रस्तुति 2 • विषय–वस्तु 2 • भाषा 1	5
				<u>खंड – 'ग'</u>	
7.				**काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या –** • संदर्भ (कवि, कविता) ½+½=1 • पूर्वापर संबंध / प्रसंग 1	8

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	7.	–	–	• व्याख्या बिंदु 5 • विशेष / काव्य–सौंदर्य 1 लघु सुरधनु से पंख .....रजनीभर तारा। संदर्भ– • कवि – जयशंकर प्रसाद • कविता – 'कार्नेलिया का गीत' प्रसंग – ग्रीक सेनापति सेल्यूकस की पुत्री कार्नेलिया द्वारा भारतवर्ष की प्रातःकालीन प्राकृतिक सुषमा एवं सांस्कृतिक गरिमा का वर्णन व्याख्या बिंदु – • अनजान व आश्रयहीन लोगों को भारत भूमि पर अपनत्व का अहसास होना • मलयसमीर के स्वाभाविक प्रवाह में पक्षियों का इस देश की ओर उड़े चले आना • भारतवासियों में कारुणिक भाव का होना • प्रातःकालीन सूर्य की रमणीयता एवं कल्याणकारी भावना का संदेश	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				विशेष – • खड़ी बोली • चित्रात्मकता • संस्कृतनिष्ठ भाषा का प्रयोग • प्रतीकात्मक भाषा शैली • चाक्षुष बिंब का प्रयोग • अनुप्रास, रूपक और मानवीकरण अलंकार का प्रयोग	
	–	7.	–	लहरतारा या मडुवाडीह.....निचाट खालीपन। संदर्भ– • कवि – केदारनाथ सिंह • कविता – 'बनारस' प्रसंग – प्राचीनतम एवं आध्यात्मिक नगरी बनारस के सांस्कृतिक वैभव का वर्णन व्याख्या बिंदु– • वसंत के आगमन का चित्रण • लहरतारा व मडुवाडीह से धूल भरी आँधी • वसंत के प्रभाव से नई जागृति का अंकुर फूटना • पाषाण हृदय व्यक्ति के व्यवहार	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	–	7.	में भी विनम्रता आ जाना। • भिखारी और बंदरों में आशा का संचार। विशेष– • खड़ी बोली • सरल, सहज व प्रवाहमयी भाषा • चित्रात्मकता • देशज शब्दों का प्रयोग • गतिशील चाक्षुष बिंब मुझ भाग्यहीन की तू.....मैं तेरा तर्पण। संदर्भ– • कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' • कविता – 'सरोज–स्मृति' प्रसंग – पुत्री सरोज की मृत्यु पर पिता के हृदय की पीड़ा का वर्णन व्याख्या बिंदु– • पुत्री की आकस्मिक मृत्यु पर पिता की हृदय वेदना का मार्मिक चित्रण • जीवन में रिक्तता का आभास, पश्चाताप • अपने सद्कर्मों के फल को पुत्री के तर्पण के लिए अर्पित करना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
8.	8. क	—	—	विशेष– • प्रवाहमयी व प्रभावशाली भाषा • तत्सम शब्दावली • करुण रस • उपमा अलंकार **किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित–** • दीप व्यक्ति और पंक्ति समाज का प्रतीक • दीप विश्वास, गर्व और स्नेह से परिपूर्ण पर अकेला • पंक्ति में विलय से उसकी महत्ता का बढ़ना • व्यष्टि से समष्टि में विलय से समाज व राष्ट्र को मज़बूती मिलना (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3+3=6 3
	ख	—	—	• कोमल, कृपालु एवं निर्मल स्वभाव • क्षमाशील एवं मृदुभाषी • भ्रातृप्रेम से ओतप्रोत पर भरत पर विशेष स्नेह • किसी के मन को दुखी न करनेवाले • छोटों की प्रसन्नता का विशेष ध्यान रखने वाले	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	ग	–	–	• नायिका का प्रियतम के वियोग में दुखी होना • जलने से उत्पन्न धुएँ से भँवरे व काग का काला हो जाना • काग और भँवरे के माध्यम से संदेश पहुँचाना • इनके काले रंग से नागमती की विरहाग्नि की सत्यता सिद्ध होना	3
	–	8. क	–	• विरहिणी के लिए सावन तथा वसंत ऋतु विशेष कष्टदायक • विरह के कारण अश्रुधारा का निरंतर बहना • दिन प्रतिदिन विरहिणी का अत्यंत क्षीण होकर पृथ्वी से भी स्वयं उठ पाने में असमर्थ होना • पुष्पित वन, कोयल की कूक, भ्रमरों की गुंजार से विरहाग्नि का तीव्र होना • दैन्यपूर्ण दृष्टि से प्रिय को खोजते रहना	3
	–	ख	–	• कैलेंडर द्वारा; दफ्तर में छुट्टी का होना • आधुनिक जीवन शैली से मनुष्य का आत्मपरक होना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	—	ग	—	• प्रकृति से उसका रिश्ता टूट जाना • प्रकृति में आए परिवर्तन से अनजान	3
				• पत्नी व पुत्री की आकस्मिक मृत्यु व धन का अभाव • दुख को मौन रहकर सहना • भाग्यहीन पिता का जीवन संघर्ष • पुत्री के प्रति बहुत कुछ न कर पाने पर अकर्मण्यता का बोध	3
	—	—	8. क	• दीप अर्थात् व्यक्ति सर्वगुण संपन्न होकर भी अकेला है। • दीप का स्नेह से भरा होना • दीप की लौ का गर्व से तना रहना • प्रकाश देने का अहं भाव अर्थात् मदमाता होना • उसी प्रकार व्यक्ति में भी गर्व स्नेह एंव अहंकार का भाव होना	3
	—	—	ख	• मनुष्य और प्रकृति के बीच की दूरी का निरंतर बढ़ना • जीवन की व्यस्तता और भौतिकता की अंधी दौड़ के कारण प्रकृति से दूर हो जाना • मानव का संवेदनहीन और आत्मकेंद्रित हो जाना	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	–	ग	• भारत का प्राकृतिक सौंदर्य • अनजान व आश्रयहीन लोगों को भारतभूमि पर अपनत्व का अहसास होना • भारत की गौरवशाली संस्कृति • भारतवासियों में करुणा एवं दया भावना का होना	
9.	9.	11.	9.	**किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य–सौंदर्य –** भाव सौंदर्य – 2 शिल्प सौंदर्य – 1	3+3=6
	क	क	क	कुसुमित कानन.....झाँपइ कान। भाव – सौंदर्य : • नायिका की विरह वेदना की मर्मस्पर्शी अभिव्यक्ति • हृदय का उद्विग्न होना • सुखद वस्तुएँ भी वियोग में अत्यंत दुखदायी शिल्प – सौंदर्य : • मैथिली भाषा • छंद पद	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• वियोग–शृंगार रस • श्रव्य व चाक्षुष बिंब	
	ख	ख	ख	तोड़ो तोड़ो .....मन की खीज को? भाव–सौंदर्य : • समाजिक कुरीतियों, रूढ़ियों एवं झूठे बंधनों को दूर करने का आह्वान • नव सृजन के लिए सकारात्मक सोच शिल्प–सौंदर्य : • खड़ी बोली • संबोधन शैली • छंद–मुक्त • तुकांत रचना • प्रतीकात्मकता / लाक्षणिकता • देशज शब्दों का प्रयोग • पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार	
	ग	ग	ग	श्रमित स्वप्न की.....की तान उठाई। भाव–सौंदर्य – • स्कंदगुप्त के प्रणय निवेदन द्वारा देवसेना के मन में विगत स्मृतियों का पुनः जागृत होना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
10.	10.	—	—	शिल्प – सौंदर्य – • खड़ी बोली • संस्कृतनिष्ठ भाषा • दृष्टांत अलंकार • मार्मिकता, चित्रात्मकता एवं संगीतात्मकता का समावेश **गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या–** संदर्भ – लेखक एवं पाठ का नामोल्लेख 1 पूर्वापर प्रसंग – 1 व्याख्या बिंदु – 3 गद्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ – 1 जो समझता है.....तो नितरां गलत है। संदर्भ– • पाठ – 'कुटज' • लेखक – हज़ारी प्रसाद द्विवेदी प्रसंग – कुटज के द्वारा जीवन जीने का दृष्टिकोण उजागर करना व्याख्या बिंदु – • दूसरों का उपकार करना अथवा अपकार करना मनुष्य के वश की बात नहीं	6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	10.	–	• दूसरों को सुख–दुख पहुँचाने का दृष्टिकोण हमारा भ्रम है। • सम्पूर्ण जीवन का नियामक, कर्ता–धर्ता विधाता ही है। विशेष – • खड़ी बोली • वर्णनात्मक शैली • विधाता के प्रति आस्था • तत्सम, तद्भव शब्दावली • विपरीतार्थक शब्दों का प्रयोग अर्थात् उपकार–अपकार, सुख–दुख आदि व्यक्ति की आत्मा.....बना देता है। संदर्भ– • पाठ – 'कुटज' • लेखक – हज़ारी प्रसाद द्विवेदी प्रसंग – कुटज के प्रसंग द्वारा व्यक्ति के जीवन की सार्थकता एवं समाज से उसके संबंधों पर विचार व्याख्या बिंदु – • आत्मा का विस्तार व्यक्ति से परे भी	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• संपूर्ण प्राणियों में स्वयं को और अपने में जगत की अनुभूति से ही पूर्ण सुख का आनंद • स्वार्थ से मोह और तृष्णा की उत्पति जो मनुष्य को दयनीय बनाते हैं। विशेष – • खड़ी बोली • विचारात्मक शैली • तत्सम शब्दावली • उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण	
–	–		10.	पेड़ों के घने.....धँस गया हो। संदर्भ– • पाठ – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' • लेखक – निर्मल वर्मा प्रसंग – अमझर गाँव के स्वच्छ परिवेश एवं खुले वातावरण का वर्णन व्याख्या– • भागती बस की खिड़की से ग्रामीण अंचल के दृश्य का अवलोकन • अंचल विशेष में गिरे और ठहरे बारिश के पानी, पेड़ों के झुरमुट और मिट्टी के झोंपड़ों का वर्णन	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• पानी की बहुलता में सरोवर व झील की अनुभूति विशेष– • चित्रात्मकता • तद्भव शब्दों की अधिकता • देशज शब्द – ढोर, डंगर आदि • सरल, सहज भाषा	
11.	11.	12.	12.	**दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	4+4=8
	क	क	क	• संवाद सुनाने पर बड़ी बहुरिया के गाँव छोड़े जाने का डर • गाँव की लक्ष्मी के चले जाने का भय। • अपने गाँव की इज्ज़त जाने का डर • माँ के सम्मुख बेटी की दुर्दशा व वर्णन न कर पाने का संकोच • स्वयं की भावुकता एवं संवेदनशीलता का चरमोत्मकर्ष	4
	ख	ख	ख	• विपरीत परिस्थितियों में भी आनंदित रहना • स्वावलंबी व संघर्षशील बनना • अपने प्राप्य को हर हाल में प्राप्त करना	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• शान से जीना • चपलूसी व झूठी प्रशंसा से बचना • गाढ़े का साथी बनना • किसी के आगे हाथ न पसारना • सुख–दुख, हार–जीत आदि में समान भाव अपनाना	4
	ग	ग	ग	• पारो का भी संभव के प्रति आसक्त होना • मंसा देवी मंदिर में मनोकामना पूर्ति की भावना हेतु जाना • आकर्षण का प्रेम में परिवर्तित हो जाना • मौन के भीतर उदात प्रेम का अंकुर फूटना • मंदिर में मनोकामना की गाँठ लगते ही प्रत्युत्तर स्वरूप हृदय की गाँठ का लगना अर्थात् संभव से मन जुड़ जाना	4
12.	12.	9.	11.	**जीवन परिचय–** अंक विभाजन • जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख अपेक्षित) 1 • साहित्यिक विशेषताएँ–सोदाहरण 3	6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				<u>चंद्रधर शर्मा गुलेरी</u> जन्म एवं जीवन परिचय – • पुरानी बस्ती, जयपुर, राजस्थान में जन्म • बहुभाषाविद् –संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी का ज्ञान : भाषा विज्ञान में गहरी रुचि • प्राचीन इतिहास व पुरातत्व में रुचि • काशी हिंदू विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य • कहानीकार, निबंधकार व समालोचक • इतिहास दिवाकर की उपाधि से सम्मानित रचनाएँ – कहानियाँ– 'सुखमय जीवन', 'बुद्धु का काँटा', 'उसने कहा था' साहित्यिक विशेषताएँ – • सरल, सहज भाषा • मुहावरों के प्रयोग से लावण्यता • संवाद शैली • दृष्टांत शैली का सुंदर प्रयोग • विषयानुकूल संस्कृतनिष्ठ, अरबी, फारसी एवं अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				अथवा **<u>रामचन्द्र शुक्ल</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के अगोना गाँव में जन्म • प्रारंभिक शिक्षा उर्दू, अंग्रेजी और फारसी में, इंटरमीडिएट तक विधिवत् शिक्षा • उच्चकोटि के आलोचक, इतिहासकार और साहित्य–चिंतक रचनाएँ– हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी शब्द सागर की भूमिका, चिंतामणि (चार खंड), रस–मीमांसा, गोस्वामी तुलसीदास, सूरदास आदि भाषा शैली की विशेषताएँ– • विवेचनात्मक शैली • सूत्रात्मक भाषा • व्यंग्य और विनोद का प्रयोग • जीवंत और प्रभावशाली गद्य • व्यापक शब्द चयन और शब्द	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	अथवा	अथवा	अथवा	संयोजन • तत्सम् शब्दों से लेकर प्रचलित उर्दू शब्दों का प्रयोग **अथवा** **<u>घनानंद</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म – दिल्ली • रीतिकाल के दरबारी कवि • प्रेयसी सुजान द्वारा धोखा दिए जाने पर दुखी घनानंद द्वारा निंबार्क संप्रदाय की दीक्षा लेना • सुजान का प्रेम हृदय से न मिट पाने के कारण कृतियों व काव्यों में सुजान के नाम का प्रतीकात्मक प्रयोग • प्रेम की पीड़ा के कवि रचनाएँ– सुजान सागर, विरह लीला, रसकेलि वल्ली काव्यगत विशेषताएँ– • ब्रज भाषा • परिष्कृत भाषा • रचनाओं में कोमलता व मधुरता का चरम विकास परिलक्षित	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• रचनाओं में प्रेम का अत्यंत गंभीर, निर्मल, आवेगमय और व्याकुल कर देने वाला उदात्त रूप व्यक्त • लाक्षणिकता का गुण • उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अनुप्रास, अतिशयोक्ति एवं श्लेष अलंकारों का सफलतापूर्वक निर्वाह **अथवा** **<u>विष्णु खरे</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म – छिंदवाड़ा, मध्यप्रदेश • क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी–साहित्य में एम.ए. • इंदौर समाचार – उप सम्पादक • दिल्ली तथा मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्यापन, लघु पत्रिका 'व्यास' का संपादन, साहित्य अकादमी में उप सचिव, नवभारत टाइम्स में कार्यकारी सम्पादक • नवभारत टाइम्स, जयपुर के संपादक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय–दो वर्ष वरिष्ठ	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				अध्येता, स्वतंत्र लेखन, अनुवादक रचनाएँ – टी.एस. इलियट का अनुवाद–'मेरू प्रदेश और अन्य कविताएँ', कविता संग्रह – 'एक गैर–रुमानी समय में', 'खुद अपनी आँख से', 'सबकी आवाज के पर्दे में', 'पिछला बाकी', समीक्षा पुस्तक–'आलोचना की पहली किताब'। काव्यगत विशेषताएँ– • भाषा सरल किंतु व्यंजनात्मक • संवाद शैली • मुक्त छंद • परंपरागत अलंकारों का प्रयोग • परंपरागत जड़ता में व्याप्त अमानवीय स्थितियों के विरुद्ध सशक्त नैतिक स्वर की अभिव्यक्ति • भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों के उल्लेख द्वारा पौराणिक संदर्भों को प्रतिपादित करना **<u>खंड–'घ'</u>**	
13.	13.	13.	13.	भूपसिंह के चरित्र के मानवीय मूल्य– • कर्मठता	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
14.	14. क	—	—	• स्वाभिमान • आशावादी दृष्टिकोण • आत्मविश्वास एवं संवेदनशीलता • जिजीविषा • सकारात्मक सोच • धैर्य (अन्य उपयुक्त मूल्य भी स्वीकार्य) **दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –** सूरदास के चारित्रिक गुण– • सहज व सकारात्मक सोच • सत्य–अहिंसा से भरा व्यक्तित्व • प्रतिकार की भावना से दूर • क्षमाशील, सहिष्णु व आशावादी • पुनर्निर्माण एवं जिजीविषा की भावना • संघर्षशील • दृढ़ इच्छा शक्ति • आत्मविश्वासी (अन्य उपयुक्त गुण भी स्वीकार्य)	5+5=10 5
	14. ख	14. क	14. क	• बच्चे का दूध पीना अर्थात् जड़ से चेतन होने की प्रक्रिया	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• दूध पीने के साथ–साथ बच्चे द्वारा माँ की ममता को भी आत्मसात करना • उसका दूध ही न पीना बल्कि माँ के पेट से गंध व स्पर्श को भी प्राप्त करना • माँ का बच्चे को अपनत्व एवं सुरक्षा भरे आंचल में छिपाकर दूध पिलाना • दूध पीते–पीते बच्चे द्वारा माँ के स्तनों को काटने पर भी ममता भरा भाव मिलना	5
	–	14. ख	–	मालवा में कम पानी गिरने के कारण– • औद्योगिकरण व वैज्ञानिक प्रक्रियाओं से पर्यावरण प्रदूषित • उद्योगों के निकलनेवाले अपशिष्ट से मौसम चक्र प्रभावित • वनों की अंधाधुंध कटाई व प्राकृतिक संसाधनों का दोहन • हानिकारक गैसों की बढ़ोतरी • ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या	5
	–	–	14. ख	• दुखद अवस्था से मर्माहत सूरदास के कानों में खेलते हुए बच्चों की यह आवाज़ – 'खेल में भी कोई रोता है?'	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				प्रतिक्रिया– • बच्चों की आवाज़ सुनकर निराशा, चिंता व क्षोभ के अपार सागर में गोते खाते सूरदास की नकारात्मक सोच में बदलाव होना • जीवन को एक खेल समझने वाली सकारात्मक सोच का उत्पन्न होना • जीवन को भी एक खेल समझकर विजय और पराजय को स्वीकार करना • पुनर्निर्माण का भाव व आशावादी दृष्टिकोण उत्पन्न होना • मनुष्यता व संघर्ष की भावना का विकास	5